गाजा और ज़ायोनी... देवदूत और राक्षस

श्री एडेल अली अल ओफ़्री द्वारा लिखित - बेंगाज़ी - 10-28-2023

मानव जाति के इतिहास में व्यक्तियों, समूहों और व्यक्तियों के लिए उज्ज्वल स्थान हैं

वे लोग जो अन्याय और तानाशाही के सामने मजबूती से खड़े रहे हैं। हम सभी नेपोलियन की सेनाओं के सामने एकर शहर की दृढ़ता और अपराधी हिटलर की सेनाओं की घेराबंदी के सामने स्टालग्राद शहर की दृढ़ता और फासीवादी ताकतों के सामने बेंगाजी शहर के प्रतिरोध को याद करते हैं। इराक पर अमेरिकी आक्रमण के लिए उम्म क़सर शहर का प्रतिरोध... उमर अल-मुख्तार... गांधी... नेल्सन मंडेला... डॉ. मार्टिन किंग... अनवर अल-सादात... अहमद शाह मसूद... यहां तक कि फिलीस्तीनी बच्चे मोहम्मद अल-दुर्रा को भी उसके पिता की गोद में ज़ायोनी सेना ने मार डाला.. आज हम एक अरब शहर को मानव संघर्ष में सबसे आगे देखते हैं... गाजा शहर और नरसंहार के 23वें दिन। 7,800 शहीद, जिनमें अधिकतर देवदूत बच्चे थे, अपने पुत्रों में से जीवित हुए। गाजा प्लामा, बिजली, दवाओं, कोई संचार नहीं, कोई स्कूल नहीं का शहर है। गाजा कई मायनों में मानवतावादी टूर्नामेंट का प्रतीक है... अपने विनाश के बावजूद, नकली पश्चिमी लोकतंत्र का मुखौटा उतारने में सफल रहा!! सभ्य!!! सिविक!!! यह मानवाधिकारों को ध्यान में रखता है!!!! संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस और इटली की सरकारें...कहती हैं कि उन देशों के लोग फ़िलिस्तीनी लोगों के अधिकारों के साथ खड़े हैं और ज़ायोनी हत्याओं के प्रति उनकी सरकारों की पक्षपाती नीतियों के प्रति निर्दोष हैं। संपूर्ण पृथ्वी के राष्ट्र सहिष्णुता, शांति, सहयोग और प्रेम में विश्वास करते हैं समस्त मानव जाति के समृद्ध भविष्य को प्राप्त करने के लिए। गाजा आइकन तीसरी दुनिया के लोगों के खिलाफ पाखंडी अंतरराष्ट्रीय कानून और दोहरे मानकों को उजागर करने में सफल रहा... गाजा सिटी फिलिस्तीनी पीपल्स चैंपियनशिप का प्रतीक है, जो अपने वैध अधिकारों को प्राप्त करने के लिए 70 से अधिक वर्षों से संघर्ष कर रहा है। सिद्धांतों पर दृढ़ता.... गाजा आइकन भी दुनिया को दो विकल्पों के सामने रखने में सफल रहा... और जीवन विकल्प है जैसा कि वे कहते हैं... या तो अच्छाई या बुराई... सच या झूठ... अन्याय या अन्याय के लिए खड़े हों ... फ़िलिस्तीन के नेक प्रश्न पर अब कोई

न्यायसंगत रवैया नहीं... कोई नहीं... गाजा अरबों के गौरव का अवशेष है और अंजियाह के सामने उनके चेहरे का पानी और पश्चिमी नस्लवादी राक्षसी नीतियों का उपहास है महान फिलिस्तीनी नरसंहार. क्रोन ने कैंप जेनिन और डब्ल्यू का नरसंहार किया

हैट वॉर ठग शेरोन ने किया... और यह बाद में कैसे हुआ... एक बाद की प्रतिक्रिया 2011 की बाद की घटनाएं थीं। इस बार चीजें अलग हैं - मेरे व्यक्तिगत दृष्टिकोण से - दुनिया अल-कायदा जैसे आतंकवादी संगठनों को नहीं देखेगी, आईएसआईएस, बोको हराम और हत्या के शौकीन वे सभी पागल लोग... दुनिया हिंसा और प्रतिहिंसा के चक्र में चली जाएगी। तूफान अपने असफल शैतानों (स्लीपी जो-मिस्टर स्वोंक-मिस्टर मैक्रोन-द इटालियन स्नो क्वीन) के साथ लोगों को उखाड़ फेंकने के साथ शुरू होगा। उन्हें अपने देशों में ज़ायोनी पल्प के साथ निकटता का लाभ नहीं मिलेगा... और नेतन्याहू का साँप उन्हें अपने साथ नरक में ले जाएगा... हाँ देवदूत और राक्षस एक रूपक है जिसका उन्होंने उपयोग किया है लेकिन इसमें कारण में बहुत सच्चाई है दशकों से पीड़ित फ़िलिस्तीनी लोगों की। हां, गाजा की देवदूत कतार चुपचाप स्वर्ग की ओर बढ़ रही है... लेकिन यह इतिहास में साबित हो गया है... कि फिलिस्तीनी लोग पृथ्वी के सबसे महान और ...उत्साहवर्धक लोगों में से हैं

:अरबी पाठ देखें

https://archive.org/details/20231029_20231029_1544